चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	14-7-23	5	1

HAU inks pact with Tanzania agri varsity

Hisar: A memorandum of understanding (MOU) has been signed between Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Hisar, and Morogoro-based Sokoine Agricultural University in Tanzania to promote research and innovations in agriculture and strengthen the economic condition of farmers through cooperation.

The farmers of Tanzania will benefit from the advanced agricultural techniques and innovations of HAU. With the technology of HAU, they will be able to strengthen their economic condition by increasing agricultural production and creating new startups.

At present, the 47th International Trade Fair is going on in Tanzania has a delegation from Haryana, exploring business and education opportunities there. TNN

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15-7-23	2	7-8

एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच अनुबंध

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे।

इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को होगा। इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहां के कुलपति प्रो. रापहियल.टी. चिबूंडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रनंड चोवे व डायरेक्टेट आफ पीजीएस रिसर्च, टेक्नीकल ट्रांसफर एंड कलसंटेंसी के डायरेक्टर प्रो. इसोर्न डी. कारीमचुरिबो भी मौजूद रहे।

अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारीगण। • पीआरओ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	15-7-23	5	4-8

हरियाणा कृषि विवि की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया के किसानों को मिलेगा लाभ

एचएयू व तंजानिया के कृषि विवि के बीच हुआ अनुबंध

- दोनों देशों के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों को कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों से संबंधित मिलेगा प्रशिक्षण

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को होगा। इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहां के कुलपति प्रो. रापहियल.टी. चिबुंडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रनंड चोवे व डॉयरेक्टेट ऑफ पीजीएस रिसर्च, टेक्नीकल ट्रांसफर एंड कलसंटटेंसी के डायरेक्टर प्रो. इसोर्न डी. कारीमयुरिबो भी मौजूद रहे।

अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

इन क्षेत्रों में मिलेगा सहयोग

एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हरियाणा और तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की घरेलू फसलों की किस्मों पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि हकृवि के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में संकाय का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय सेमिनार, सम्मेलनों में हिस्सा लेंगे और एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इस अनुबंध से दोनों देशों को कृषि के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी वहीं दूसरी ओर अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	14-7-23	4	3-6

एचएयू और सोकोइन विवि के वैज्ञानिक मिलकर बढ़ाएंगे कृषि नवाचार व शोध

कुलपति प्रो. कांबोज और तंजानिया की यूनिवर्सिटी के कुलपति ने अनुबंध पर किए हस्ताक्षर

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच कृषि में अनुसंधान व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अनुबंध हुआ है। एचएयू के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा और सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रापहियल टी चिबूंडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एचएयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। यह अनुबंध तंजानिया के शहर दार-ए- सालाम में 47वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान हुआ। कुलपति ने बताया कि हरियाणा और तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की घरेलू फसलों की किस्मों पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा।

हिसार में अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	15.7.23	9	1-7

एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

एचएयू की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया के किसानों को मिलेगा लाभ

- दोनों देशों के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों से संबंधित मिलेगा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे। इसी कड़ी में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को होगा। इस संबंध में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहां के कुलपति प्रो. रापहियल.टी. चिबुंडा ने गुरुवार को इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रनंड चोवे व डॉयरेक्टेट ऑफ पीजीएस रिसर्च, टेक्नीकल ट्रांसफर एंड कलसंटेंसी के डायरेक्टर प्रो. इसोर्न डी. कारीमयुरिबो भी मौजूद रहे। इस एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एचएयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। ज्ञात रहे कि इस समय तंजानिया के शहर दार-ए-सालाम में 47वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देशन में हरियाणा का एक प्रतिनिधित्व मंडल तंजानिया में व्यापार एवं शिक्षा के अवसर तलाशने व उन्हें बढ़ावा देने के लिए दौरे पर है। 50 सदस्यीय इस प्रतिनिधित्वमंडल में हरियाणा सरकार के उच्चाधिकारी, व्यापारी एवं चार विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अधिकारी शामिल हैं।

हिसार। अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

इन क्षेत्रों में मिलेगा सहयोग

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा और तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की घरेलू फसलों की किस्मों पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में संचाय का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। कुलपति ने बताया कि इस एमओयू के अनुसार कृषि क्षेत्र में उपयोग होने वाली उन्नत तकनीकों व नवाचारों के बारे में गहनता से जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	14-7-23	4	1-3

अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद एच.ए.यू. के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

एच.ए.यू. और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

हिसार, 13 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एच.ए.यू. की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे।

इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को होगा।

इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के

» वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को कृषि की व्यावसायिक व नई तकनीकों से संबंधित मिलेगा प्रशिक्षण

सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहां के कुलपति प्रो. रापहियल.टी. चिबूंडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रर्नड चोवे व डॉयरैक्टेट ऑफ पी.जी.एस. रिसर्च, टैक्नीकल ट्रांसफर एंड कलसंटैंसी के डायरैक्टर प्रो. इसोर्न डी. कारीमयुरिबो भी मौजूद रहे।

इस एम.ओ.यू. के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एच.ए.यू. के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हरियाणा और तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की घरेलू फसलों की किस्मों पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा।

उन्होंने बताया कि हकृवि के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में संकाय का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	14-7-23	5	3-6

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया के किसानों को मिलेगा लाभ

एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

दोनों देशों के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों संबंधी मिलेगा प्रशिक्षण

हिसार, 13 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को होगा। इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहां के कुलपति प्रो. रापहियल.टी. चिबूंडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रर्नड चोवे व डॉयरेक्टेट ऑफ पीजीएस रिसर्च, टेक्नीकल ट्रांसफर एंड कलसंटेंसी के डायरेक्टर प्रो. इसोर्न डी. कारीमयुरिबो भी मौजूद रहे। इस एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एचएयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। ज्ञात रहे कि इस समय तंजानिया के शहर दार-ए-सालाम में 47वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देशन में हरियाणा का एक प्रतिनिधित्व मंडल तंजानिया में व्यापार एवं शिक्षा के अवसर तलाशने व उन्हें बढ़ावा देने के लिए दौरे पर है। 50 सदस्यीय इस प्रतिनिधित्व मंडल में हरियाणा सरकार के उच्चाधिकारी, व्यापारी एवं चार विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अधिकारीगण शामिल हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हरियाणा और तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की घरेलू फसलों की किस्मों पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि हकृवि के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में संकाय का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय सेमिनार, सम्मेलनों में हिस्सा लेंगे और एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इस अनुबंध से दोनों देशों को कृषि के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी वहीं दूसरी ओर अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। कुलपति ने बताया कि इस एमओयू के अनुसार कृषि क्षेत्र में उपयोग होने वाली उन्नत तकनीकों व नवाचारों के बारे में गहनता से जानकारी दी जाएगी क्योंकि आधुनिक युग में जलवायु परिवर्तन सहित अन्य चुनौतियों के कारण कृषि क्षेत्र में नई-नई समस्याएं उत्पन्न हो गई, जिससे खाद्य सुरक्षा व खाद्यान्न का सुरक्षित भंडारण बड़ी चुनौती बन गए हैं। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों, शिक्षाविदें, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को जल संरक्षण सहित आर्थिक रूप से बचत के लिए अनुसंधान भी किए जाएंगे, जिनका दोनों देशों के किसानों को लाभ होगा।

अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	14.07.2023	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया के किसानों को मिलेगा लाभ

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को होगा। इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहां के कुलपति प्रो. रापहियल.टी. चिबूंडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रर्नड चोवे व डॉयरेक्टेट ऑफ पीजीएस रिसर्च, टेक्नीकल ट्रांसफर एंड कलसंटटेंसी के डायरेक्टर प्रो. इसोर्न डी. कारीमयुरिबो भी मौजूद रहे। इस एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि

विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एचएयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। ज्ञात रहे कि इस समय तंजानिया के शहर दार-ए- सालाम में 47वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देशन में हरियाणा का एक प्रतिनिधित्व मंडल तंजानिया में व्यापार एवं शिक्षा के अवसर तलाशने व उन्हें बढ़ावा देने के लिए दौरे पर है। 50 सदस्यीय इस प्रतिनिधित्व मंडल में हरियाणा सरकार के उच्चाधिकारी, व्यापारी एवं चार विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अधिकारीगण शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	13.07.2023	--	--

एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया के किसानों को मिलेगा लाभ

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 13 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को होगा। इस संबंध में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहां के कुलपति प्रो. राफेल.टी. चिबुंडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बर्नड चोवे व डॉयरेक्टर ऑफ पीजीएस रिसर्च, टेक्नीकल ट्रांसफर एंड कालसंटेंसी के डायरेक्टर प्रो. इसोर्न डी. कारीमयुरिबो भी मौजूद रहे। इस एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एचएयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। ज्ञात रहे कि इस समय तंजानिया के शहर दार-ए- सालाम में 47वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देशन में हरियाणा का एक प्रतिनिधित्व मंडल तंजानिया में व्यापार एवं शिक्षा के अवसर तलाशने व उन्हें बढ़ावा देने के लिए दौरे पर है। 50 सदस्यीय इस प्रतिनिधित्व मंडल में हरियाणा सरकार के उच्चाधिकारी, व्यापारी एवं चार विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अधिकारीगण शामिल हैं।

इन क्षेत्रों में मिलेगा सहयोग

एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हरियाणा और तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की घरेलू फसलों की किस्मों पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि हकृवि के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में संकाय का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय सेमिनार, सम्मेलनों में हिस्सा लेंगे और एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इस अनुबंध से दोनों देशों को कृषि के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।

वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग व परियोजनाओं पर रहेगा जोर

कुलपति ने बताया कि इस एमओयू के अनुसार कृषि क्षेत्र में उपयोग होने वाली उन्नत तकनीकों व नवाचारों के बारे में गहनता से जानकारी दी जाएगी क्योंकि आधुनिक युग में जलवायु परिवर्तन सहित अन्य चुनौतियों के कारण कृषि क्षेत्र में नई-नई समस्याएं उत्पन्न हो गई, जिससे खाद्य सुरक्षा व खाद्यान्न का सुरक्षित भंडारण बड़ी चुनौती बन गए हैं। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों, शिक्षाविदें, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को जल संरक्षण सहित आर्थिक रूप से बचत के लिए अनुसंधान भी किए जाएंगे, जिनका दोनों देशों के किसानों को लाभ होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	13.07.2023	--	--

एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे।

इसी कड़ी में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को होगा। इस संबंध में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. राफहियल.टी. चिबुंडा ने इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एचएयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे।

इस एमओयू के अनुसार कृषि क्षेत्र में उपयोग होने वाली उन्नत तकनीकों व नवाचारों के बारे में गहनता से जानकारी दी जाएगी क्योंकि आधुनिक युग में जलवायु परिवर्तन सहित अन्य चुनौतियों के कारण कृषि क्षेत्र में नई-नई समस्याएं उत्पन्न हो गई, जिससे खाद्य सुरक्षा व खाद्यान्न का सुरक्षित भंडारण बड़ी चुनौती बन गए हैं। वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को जल संरक्षण सहित आर्थिक रूप से बचत के लिए अनुसंधान भी किए जाएंगे, जिनका दोनों देशों के किसानों को लाभ होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृतधारा	12.07.2023	--	--

एचएयू और तंजानिया के कृषि विश्वविद्यालय के बीच हुआ अनुबंध

हिसार से अमृत धारा के लिए फोटो जर्नलिस्ट मनोज भुटानी के साथ संजीव मेहता – चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उन्नत कृषि तकनीकों व नवाचारों का तंजानिया के किसानों को भी अब लाभ मिलेगा। एचएयू की प्रौद्योगिकी से तंजानिया के किसान कृषि उत्पादन बढ़ाकर व नए स्टार्टअप तैयार कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकेंगे। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और तंजानिया के मोरोगोरो स्थित सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के बीच आपसी सहयोग से कृषि में अनुसंधानों व नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए आज एक अनुबंध हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों के किसानों को मिलेगा। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा और तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय की ओर से वहां के कुलपति प्रो. रापहियल.टी. चिबूंडा ने इस मौके पर तंजानिया के कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ब्रर्नड चोवे व डॉयरेक्टेट ऑफ पीजीएस रिसर्च, टेक्नीकल ट्रांसफर एंड कलसंटटेंसी के डायरेक्टर प्रो. इसेर्न डी. कारीमयुरिबो भी मौजूद रहे।

इस एमओयू के अनुसार तंजानिया के सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ व एचएयू के वैज्ञानिक, शोधार्थी व विद्यार्थी मिलकर नवीन अनुसंधानों की सहायता से किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। ज्ञात रहे कि इस समय तंजानिया के शहर दार-ए- सालाम में 47वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देशन में हरियाणा का एक प्रतिनिधित्व मंडल तंजानिया में व्यापार एवं शिक्षा के अवसर तलाशने व उन्हें बढ़ावा देने के लिए दौरे पर है। 50 सदस्यीय इस प्रतिनिधित्व मंडल में हरियाणा सरकार के उच्चाधिकारी, व्यापारी एवं चार विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं अधिकारीगण शामिल हैं।

आर. काम्बोज ने बताया कि हरियाणा और तंजानिया की कृषि जलवायु लगभग समान है। इस अनुबंध से विश्वविद्यालय की उन्नत तकनीकों व नवाचारों से तंजानिया की कृषि संबंधित तकनीकों व उपकरणों में काफी सुधार आएगा। साथ ही हमें तंजानिया की धरेलू फसलों की किस्मों पर शोध करने से काफी फायदा मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि हकृवि के वैज्ञानिक कृषि की व्यवसायिक व नई तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण देंगे, जिससे कि तंजानिया और भारत में कृषि इंजीनियरिंग में संकाय का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, अनुसंधान और कृषि विस्तार गतिविधियों में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि दोनों विश्वविद्यालय सेमिनार, सम्मेलनों में हिस्सा लेंगे और एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। इस अनुबंध से दोनों देशों को कृषि के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी वहीं दूसरी ओर अनुसंधान की गुणवत्ता को

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	13.07.2023	--	--

मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण का समापन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। इस प्रशिक्षण में हरियाणा प्रांत के विभिन्न जिलों जैसे हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, कैथल, अंबाला, जींद, भिवानी, करनाल, पानीपत, रोहतक, रेवाड़ी से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे कम से कम लागत में शुरू किया जा सकता है। मशरूम उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों का इस्तेमाल किया जाता है जिससे खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चितता के साथ-साथ वायु प्रदूषण से भी निजात मिलेगी। उन्होंने बताया कि खासकर भूमिहीन, शिक्षित एवं अशिक्षित युवक व युवतियां इसे स्वरोजगार के रूप में अपना सकते है तथा सारा वर्ष भी मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जिनमें सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर या ढींगरी, मिल्की या दूधिया मशरूम, धान के पुवाल की मशरूम इत्यादि उगाकर सारा साल मौसम के हिसाब से इसका उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा भी किसानों तथा बेरोजगार युवाओं को इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मण्डल ने बताया कि सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान सफेद बटन मशरूम के अलावा दूसरी कई तरह की मशरूम की प्रजातियों को भी बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक कर रहा है। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि अभी हाल ही में हरियाणा प्रान्त में 21500 मैट्रिक टन मशरूम का उत्पादन हुआ, जिसमें लगभग 99 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादन सफेद बटन मशरूम का ही है। दिल्ली, लुधियाना, चंडीगढ़ के इलावा कई अन्य छोटे बड़े शहरों के साथ साथ गावों में भी इसकी मांग बनी रहती है और इसको बेचने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है। इस प्रशिक्षण के आयोजक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि हरियाणा मे ज्यादातर किसान केवल सर्दी के मौसम में सफेद बटन खुम्ब की काश्त करते है किन्तु इसके इलावा दूसरी मशरूम जैसे ढींगरी व दूधिया मशरूम का उत्पादन भी लिया जा सकता है किन्तु लोगों में अज्ञानता की वजह से लोग दूसरी खुम्बों का सेवन नहीं करते और खुम्ब उत्पादकों द्वारा इन खुम्बों की बिक्री में दिक्कत महसूस होती है। इसके अलावा किसानों को मशरूम टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला का भी भ्रमण करवाया गया। इसके अलावा डॉ जगदीप सिंह, डॉ. डी के शर्मा, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. विकास कम्बोज, डॉ. अमोघवर्षा, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. सरोज यादव, डॉ भूपेन्द्र सिंह, डॉ. पवित्रा पुनिया ने संबंधित विषयों पर अपने व्याख्यान दिए।

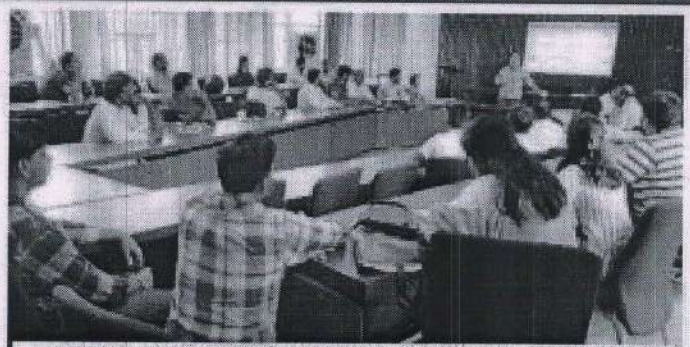

मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विशेषज्ञ संबोधित करते हुए।